Nai Dunia (Indore), 12th August 2022, Page No. 08

शोध-पेटेंट में आगे बढ़ती आइआइटी की यात्रा

उपलब्धि ● छह राज्यों में स्थित सात आइआइटी की वर्ष 2021 की रिपोर्ट

नई दिल्ली। टीम नईदुनिया। शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में भारत बीते कुछ समय से लगातार तेजी से आगे बढ़ रहा है। कोरोना काल में वैक्सीन को लेकर किए गए तेज व सटीक शोध ने विश्व में हमारी क्षमता को और पुख्ता किया है। पांच राज्यों में स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आइआइटी) के आंकड़ों से समझिए यह संस्थान शोध-अनुसंधान में कहां ठहरते हैं:

आइआइटी इंदौर में 443 शोध और 15 पेटेंट

आइआइटी, इंदौर ने वर्ष 2021 में कुल 443 शोध प्रोजेक्ट पर कार्य किया। इसमें आइआइटी को 257 करोड़ का खर्च आया। इसी वर्ष संस्थान को 15 पेटेंट प्राप्त हुए। 2021 के अंत में संस्थान को देश का पहला हाई इलेक्ट्रान मोबिलिटी ट्रांजिस्टर (एचईएमटी) बनाने में सफलता मिली। यह आइआइटी इंदौर का यह पहला वाणिज्यिक पेटेंट है।

आइआइटी रोपड़ ने कराए 19 पेटेंट

पंजाब के रूपनगर (रोपड़) में स्थित आइआइटी को वर्ष 2021 में 19 शोध कार्यों को पेटेंट करवाने में सफलता मिली। वहीं, जालंधर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) की ओर से वर्ष 2021 में 107 शोध को पेटेंट करवाने के लिए भेजा गया।

कृषि से लेकर कोरोना से निपटने तक में विज्ञानियों व शोधार्थियों ने दिया योगदान

कोरोना वैक्सीन को लेकर किए गए सटीक शोध ने विश्व में हमारी क्षमता को किया पुख्ता

आइआइटी इंदौर का कैंपस। ● फाइल फोटो

आइआइटी, रुड़की ने 62 पेटेंट भेजे, मिले नौ

आइआइटी, रुड़की के बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर रजत अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2021 में संस्थान से 62 पेटेंट फाइल किए गए थे। नौ पेटेंट ग्रांट हुए। संस्थान के सहारनपुर कैंपस से पेपर टेक्नोलाजी में भी पेटेंट फाइल किए गए हैं।

आइआइटी बीएचयू को 76 पेटेंट: आइआइटी बीएचयू में भी बीते वर्ष शोध कार्यों में तेजी रही। संस्थान द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2021 में आइआइटी बीएचयू को 76 पेटेंट मिले हैं।

आइआइटी कानपुर ने दाखिल किए पहले से अधिक पेटेंट

आइआइटी कानपुर ने कोरोना महामारी के दौरान उपकरण बनाने, तकनीक, डिजाइन, कापीराइट व ट्रेडमार्क के पेटेंट आवेदन में रिकार्ड बनाया है। निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने बताया कि वर्ष 2019 में संस्थान ने 76 पेटेंट दाखिल किए थे। वर्ष 2021 में इनकी संख्या 107 है। अमेरिका में भी चार पेटेंट दाखिल किए। 90 सेकेंड में मिट्टी की गुणवत्ता जांचने वाली किट, गंगा व अन्य नदियों के पानी की गुणवत्ता मापने का उपकरण बनाया।

आइआइटी पटना ने 30 पेटेंट कराए

आइआइटी पटना में पेटेंट की संख्या प्रत्येक साल बढ़ रही है। पेटेंट की संख्या 2016 में 10 थी, जो 2020 में 26 हो गई। अभी यह संख्या 30 है। डीआरडीओ के लिए आइआइटी पटना ने कम वजन और माइनस 20 डिग्री से 45 डिग्री सेल्सियस तापमान पर बेहतर काम करने वाला इन्वर्टर तैयार किया। वहीं, एनआइटी पटना ने 15 पेटेंट द्वारा 2021 में 15 पेटेंट फाइल किए गए।

आइआइटी-आइएसएम में तीन तरह के शोध पर काम

धनबाद के आइआइटी-आइएसएम में इंडस्ट्रियल, डिपार्टमेंटल और इंडिपेंडेंट शोध पर कार्य होता है। हाल ही में संस्थान ने सड़क सीमा संगठन को ब्लास्टिंग की तकनीक पर प्रशिक्षण दिया। संस्थान हर साल 400 से 500 रिसर्च पेपर प्रकाशित करता है। संस्थान में 30 अंतरराष्ट्रीय शोध प्रोजेक्ट चल, रहे हैं।

देश में तेज हो रही गति

गत तीन वर्ष में भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) द्वारा भारतीय विज्ञानियों को पहले से दोगुने पेटेंट प्रदान किए गए हैं। वर्ष 2018-19 में भारतीय विज्ञानियों को 2,511 पेटेंट प्रदान किए गए थे, जिनकी संख्या वर्ष 2019-20 में 4,003 और वर्ष 2020-21 में 5,629 हो गई। यह आंकड़े राज्यसभा में दी गई जानकारी पर आधारित हैं। भारत की ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) रैंकिंग भी 2014 में 81वीं से 2020 में 46वीं हो गई। वैज्ञानिक प्रकाशनों में वैश्विक स्तर पर 2020 में हम तीसरे स्थान पर आ गए। 2010 में भारत सातवें स्थान पर था।